महत्वपूर्ण एवं खास

शादी समारोह से वापस लौट रही यात्रियों से भरी पिकअप पलटी, 14 घायल, दो गंभीर

कोरबा। शादी समारोह से वापस लौट रही यात्रियों से भरी एक टाटा एस अनियांत्रित होकर पलट गई। वाहन पर 20 लोग सवार थे इस हादसे में बच्चे समेत एक दर्जन से अधिक लोग घायल है। दो महिलाओं की हालत गम्भीर बताई जा रही है। हादसा सोमवार की सुबह कटघोरा थाना क्षेत्र के मोहनपुर आछीदादर के पास हुआ है । इस दुर्घटना में टाटा एस गाड़ी में 14 लोगो के घायल होने की सूचना है। सभी घायलों को 108 व 112 की मदद की मदद से सामुदायिक स्वास्थ केंद्र कटघोरा लाया गया है। जानकारी के अनुसार, सभी महिलाएं ग्राम भेलवाटिकरा शादी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे और वहां से विजयनगर घर वापस जा रहे थे, तभी मोहनपुर के पास पुल के समीप अचानक गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद घायलों की चीख-पुकार सुनकर राहगीरों की मदद से वाहन से उन्हें बाहर निकाला गया और तत्काल अस्पताल के लिए रवाना किया गया। इस हादसे में महिला समेत बच्चे भी घायल है, दो महिलाओं के सिर पर गंभीर चोंटे आई है।

प्रदेश में 1292 नये कोरोना संक्रमित मिले, 14 की हुई मौत

रायपुर(आरएनएस)। प्रदेश में सोमवार को 1292 कोरोना संक्रमितों की पहचान हुई है वहीं 14 लोगों की मौत हुई है। साथ ही 122 लोग अस्पताल से डिस्चार्ज हुए। वहीं 4058 लोगों ने अपना होम आइशोलेशन कंप्लीट किया है। सोमवार को रायपुर जिले में सर्वाधिक 257 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए है। इस प्रकार अब प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या 13,706 हो गई है। प्रदेश में अब औसत पाजीटीविटी दर 3.46 प्रतिशत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग से जारी बुलेटिन के अनुसार सोमवार को प्रदेश में 37 हजार 372 लोगों की कोरोना जांच हुई है जिसमें से 1292 कोरोना संक्रमित पाए गए है। इनमें रायपुर जिले में 157 संक्रमित मिले है। वहीं दुर्ग में 132, राजनांदगांव में 73, बालोद में 38, बेमेतरा में 33, कबीरधाम में 69, धमतरी में 73, बलौदाबाजार में 24 , महासमुंद में 23, गरियाबंद में 17, बिलासपुर में 63, रायगढ़ में 39, कोरबा में 39, जांजगीर चांपा में 16, मुंगेली में 83, गौरेला पेण्ड्रा मारवाही में 16, सरगुजा में 25, कोरिया में 27, सूरजपुर में 92, बलरामपुर में 43, जशपुर में 8, बस्तर में 30, कोण्डागांव में 16, दंतेवाड़ा में 13, सुकमा में 4, कांकेर में 46, एवं नारायणपुर 76 एवं बीजापुर में 17 मरीजों की पहचान हुई है। इस प्रकार अब प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या 13,706 हो गई है तथा पॉजिटीविटी रेट 3.46 प्रतिशत पहुंच चुका है। वहीं सोमवार को 14 लोगों की मौत हुई है।

तहसील कोर्ट भी बंद, 15 तक नहीं होगी सुनवाई

जगदलपुर (आरएनएस)। कोरोना संक्रमण के चलते अदालती कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है। तहसील अदालत 15 फरवरी तक सामान्यंजनों के लिए बंद घोषित कर दी गई है। पहले से तय मामलों की तारीखें फरवरी-मार्च में फिक्स कर इसकी सूचना अधिवक्ता संघ को दी जा चुकी है। मालूम हो कि अधिवक्ता संघ की पहल पर कमिश्नर कोर्ट की सुनवाई भी टाली जा चुकी हैं। यहां भी नियमति सुनवाई मार्च में ही हो सकेगी। जिला एवं मातहत न्यायालयों में छग हाईकोर्ट द्वारा सुनवाई के लिए जारी गाइड लाइन के तहत ही सुनवाई चल रही है जो 15 फरवरी तक इसी गाइड लाइन से न्यायालयों के कार्य जारी रहेगी।

अनियंत्रित वाहन पेड़ से टकराई 03 की मौत 06 घायल

जगदलपुर, 07 फरवरी (आरएनएस)। जिले के परपा थाना क्षेत्र अंर्तगत केशलूर के आगे कोयेपाल के पास विवाह समारोह से वापस लौट रही बारात वाहन पेड़ से टकरा गई, इस घटना में जहां 03 लोगों की मौत हो गई, वहीं आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए, सभी घायलों को उपचार के लिए मेकॉज डिमरापाल में भर्ती किया गया है। परपा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पखनार के चंद्रगिरी निवासी ग्रामीण एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए देउरगाव गए हुए थे।

अनुपयोगी शासकीय जमीन के व्यवस्थित विकास के लिए केबिनेट में तय होगी क्रियान्वयन एजेंसी

0 नीतियों और क्रियान्वयन एजेंसी तय करने अधिकार संपन्न मंत्रिमण्डल समिति की अनुशंसा

0 मंत्रिमण्डलीय समिति की बैठक में हुआ मंथन

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में विभिन्न विभागों, निगम, मण्डलों, कम्पनियों और बोर्ड के अधीन स्वामित्व की अनुपयोगी शासकीय भूमि के व्यवस्थित विकास एवं सदुपयोग के संबंध में अधिकार संपन्न मंत्रिमण्डल समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मंत्रिमंडल समिति द्वारा अनुपयोगी शासकीय जमीन के व्यवस्थित विकास एवं सदुपयोग के लिए नीतियों और क्रियान्वयन एजेंसी तय करने के लिए अनुशंसा की गई। अब नीतियों और क्रियान्वयन एजेंसी केबिनेट स्तर पर तय होगी।

मंत्रिमंडल समिति की बैठक में लोक निर्माण एवं गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, आवास, पर्यावरण एवं परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर, खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, लोक निर्माण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेसी, सहकारिता विभाग के विशेष सचिव हिमशिखर गुप्ता, एनआरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं आयुक्त हाउसिंग बोर्ड डॉ.अय्याज तंबोली, नगर एवं ग्राम निवेश विभाग के संचालक जयप्रकाश मौर्य, आरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिजीत सिंह सहित संबंधित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा उपरोक्त अनुपयोगी शासकीय भूमि के व्यवस्थित विकास एवं उपयोग एवं सदुपयोग के लिए मंत्रिगणों की एक अधिकार सम्पन्न समिति का गठन किया गया है। समिति में लोक निर्माण मंत्री, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री शामिल हैं। उच्चस्तरीय समिति की बैठक में सरकारी विभाग, निगम-मंडलों के अनुपयोगी रिक्त पड़े भूमि की विकास योजना पर विचार-विमर्श किया गया।

मंत्रीमंडलीय समिति की उच्चस्तरीय बैठक में मध्यप्रदेश की तर्ज पर शासकीय विभागों, निगम-मंडलों के रिक्त पड़े जमीनों के बेहतर पुनर्विकास, जीर्ण-शीर्ण भवनों का जीर्णोद्धार सहित जमीनों का क्रियान्वयन एजेंसी को हस्तांतरण के संबंध में भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

भूपेश सरकार का बड़ा निर्णय : भूमि गाइड लाइन दरों में अब 40 प्रतिशत की छूट

0 मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में कैबिनेट में लिया गया था निर्णय

0 31 मार्च 2022 तक ले सकेंगे छूट का लाभ

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से भूमि के बाजार मूल्य के दरों में अब 40 प्रतिशत तक की छूट दिए जाने का आदेश जारी किया गया है। भूमि के क्रय पर इस विशेष छूट का लाभ राज्य के लोग 31 मार्च 2022 तक उठा सकेंगे। इससे पूर्व गाइड लाइन की दरों में 30 प्रतिशत की छूट दी जा रही थी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में एक फरवरी को आयोजित केबिनेट की बैठक में चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 की शेष अवधि के लिए मार्केट वेल्यू गाइड लाइन की दरों को 30 प्रतिशत के स्थान पर घटाकर 40 प्रतिशत किए जाने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप केबिनेट के इस निर्णय के परिपालन में वाणिज्यिक कर पंजीयन विभाग मंत्रालय द्वारा आज 7 फरवरी को गाइड लाइन दर में 40 प्रतिशत की छूट दिए जाने का आदेश विधिवत जारी किया गया। जारी आदेश के तहत नगर निगम एवं उनके निवेश क्षेत्र की संपत्तियों के मामले में मार्केट वेल्यू गाइड लाइन की दरों को वित्तीय वर्ष 2021-22 की शेष अवधि के लिए 30 प्रतिशत के स्थान पर 40 प्रतिशत की छूट दी गई है।

कोविड वेक्सीनेशन महाभियानरू एक दिन में 50 हजार 910 लोगों को लगी कोविड वैक्सीन

0 मनरेगा स्थल सहित बस स्टैण्ड और घर.घर जाकर भी लगाया गया कोविड वैक्सीनेशन

कोरबा। जिले में कोविड.19 के संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए पांच फरवरी को टीकाकरण का महाभियान चलाया गया। इस दौरान सुबह से ही शहरी और ग्रामीण इलाकों के टीकाकरण केंद्रों पर कोविड वैक्सीन लगवाने के लिए बड़ी संख्या में लोग लाइन में लगे रहे। ग्रामीण इलाकों में टीकाकरण केंद्रों के अलावा मोबाइल मेडिकल टीमों ने भी घर-घर जाकर लोगों को कोविड से बचाने के लिए टीके लगाए।

इस महाभियान में एक दिन में 50 हजार 910 लोगों को कोरोना के टीके लगाए गए। कोविड वैक्सीन लगवाने के लिए 15 वर्ष से अधिक उम्र के किशोर.किशोरियोंए युवाओंए महिलाए किसान एवं बुजुर्ग लोग भी उत्साहित होकर टीकाकरण स्थल तक पहुंचे। वैक्सीनेटरों द्वारा लोगों को मनरेगा कार्य स्थल पर भी पहुंचकर टीका लगाया गया। विकासखंड पोड़ी.उपरोड़ा के ग्राम हरदेवा और तनेरा में चल रहे मनरेगा के कार्य स्थल में ही लोगों को जरूरत अनुसार कोविड का पहला और दूसरा वैक्सीन लगाया गया। इसी प्रकार बिंझरा के बस स्टैंड में भी मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा लोगों को कोविड टीका लगाया गया। कोविड वैक्सीनेशन महाभियान के दौरान 15 वर्ष से अधिक उम्र के स्कूली छात्र.छात्राओं ने भी टीकाकरण स्थल पर पहुंचकर उत्साहित होकर कोविड का टीका लगवाए। रजगामार निवासी कक्षा नौवीं की छात्रा साक्षी साहू ने जिला पुस्तकालय भवन में बनाए गए वैक्सीनेशन सेंटर में आकार कोविड का पहला डोज लिया। उन्होने बताया कि कोविड वैक्सीन लगवाकर अच्छा महसूस हो रहा है। कोविड टीका पूरी तरह सुरक्षित हैं। 15 वर्ष के अधिक उम्र के सभी लोगों को कोरोना से बचने के लिए टीका लगवाना चाहिए। इसी प्रकार कोरबा शहर में ही रहने वाली कक्षा 12 वीं की छात्रा मुस्कान शर्मा ने भी कोविड वैक्सीन का डोज लेने के बाद सबको कोरोना से बचने कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए सुरक्षित रहने की अपील की। कक्षा 12 वीं की छात्रा निशा साहू ने कोविड टीका लगवाकर टीका लगवाने से नहीं डरने और मास्क का हमेशा उपयोग करें। कोविड वैक्सीनेशन महाभियान के दौरान पाली विकासखंड में सबसे अधिक टीके लगाए गए। पाली विकासखंड में 13 हजार 430 लोगों का टीकाकरण किया गया । कोरबा विकासखंड में छह हजार 093, करतला विकासखंड में 10 हजार 108, शहरी क्षेत्रों में सात हजार 393, कटघोरा में सात हजार 808 और पोंड़ीउपरोड़ा विकासखंड में छह हजार 078 लोगों को महाभियान के दौरान टीके लगाए गए।

प्रदेश में 9 और 10 को हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना

रायपुर (आरएनएस)। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राजस्थान के ऊपर 8 फरवरी को एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा बनने की संभावना है, इसके प्रभाव से अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से प्रचुर मात्रा में नमी आने की संभावना है। इसके कारण प्रदेश के मौसम में 9 फरवरी से परिवर्तन होने की संभावना है।

प्रदेश में 9 फरवरी के देर शाम या रात्रि से तथा 10 फरवरी का हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। 9 फरवरी को सरगुजा संभाग और उससे लगे बिलासपुर संभाग के जिलों में तथा 10 फरवरी को सरगुजा संभाग, बिलासपुर संभाग तथा दुर्ग और रायपुर संभाग के उत्तरी भाग में स्थित जिलों में 1-2 स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है।

शाला प्रबंधन एवं विकास समिति टारपाली ने तय की शाला के विकास की रूपरेखा

❍ समिति के सदस्यों को उनके शाला विकास में भूमिका से अवगत कराया गया

रायगढ़। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टारपाली विकासखण्ड रायगढ़ में आज शाला प्रबंधन एवं विकास समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अध्यक्ष टिकेश्वर गुप्ता की अध्यक्षता में समिति के समस्त सदस्य, सचिव, प्राचार्य श्रीमती सरला साहा, कोषाध्यक्ष-व्याख्याता सत्यपाल विश्वाल, सदस्य-सरपंच श्रीमती लोचन कुमारी साहू, सदस्य-श्री लक्ष्मीचरण देवांगन, बोधराम गुप्ता, श्रीमती कनकलता, श्रीमती अहिल्या,श्रीमती हीराबाई पटेल,श्रीमती साधवी साहू, श्रीमती बसंती सिदार, श्रीमती तिलोत्तमा, राजेश शर्मा, श्रीमती ए.मिंज, श्रीमती आर.चौधरी, एम.आर. यादव की उपस्थिति में शाला में एक बैठक सह प्रशिक्षण रखी गई। समिति के समस्त सदस्यों को शाला प्रबंधन निर्देशिका प्रदान कर समिति के कार्य, उनकी भूमिका अवगत कराते हुए शाला के उत्तरोत्तर विकास हेतु गुणवत्ता शिक्षा, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, विकास योजना बनाकर, समग्र शिक्षा रायपुर द्वारा प्राप्त राशि 2021-22 का प्राथमिकता आधार पर व्यय करना के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। इसके पश्चात सर्वसम्मिति से प्रस्ताव पारित कर सहमति प्रदान की गई। समस्त सदस्य पूर्णरूपेण कार्य करने पर बचनबद्ध हुए। परिणाम स्वरूप तुरंत जेसीबी बुलाकर शाला का सामने की साफ -सफाई कराकर हाइवा से मिट्टी मंगाकर सड़क चौड़ीकरण किया गया। शाला के प्राचार्य सरला साहा मेडम ने प्रबंधन समिति के सदस्यों को सदा इसी तरह शाला के विकास में सहयोग देने का आग्रह किया और समिति के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

निकाले गए कामगार को बहाल कर चालकों को नियोजित करने की मांग

कोरबा। दीपका साइलो, सीएचपी से निकाले गए कामगारों को पुन: काम पर रखने व चालकों को निजी कंपनी में नियोजित करने की मांग लेकर प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा गया। मांग पूरी नहीं होने पर 11 फरवरी को काम बंद कराने की चेतावनी दी गई।

साउथ इस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड एसईसीएल की दीपका खदान के सीएचपी ए साइलो का मेंटेनेंस व संचालन का काम दूसरे कंपनी को दिए जाने पर पूर्व से कार्यरत कर्मियों को काम से बाहर निकाल दिया गया था। मजदूरों के लगातार आंदोलन किए जाने से कुछ आधे मजदूरों को काम पर रखा गया, शेष को अभी तक काम पर नहीं रखा गया है। इससे मजदूरों में रोष व्याप्त है। पांच जनवरी को चर्चा के दौरान प्रबंधन ने 15 दिवस के भीतर रखने की बात कही थी, किंतु एक माह का समय बीत जाने के बावजूद अभी तक उनको वापस नहीं लिया गया, बल्कि कंपनी द्वारा काम पर लगे मजदूरों को धमकी देकर काम लिया जा रहा है। इसी तरह दीपका खदान के साइडिंग में कोयला परिवहन करने वाली रूंगटा कंपनी द्वारा मजदूरों को शोषण किया जा रहा है। उर्जाधानी भू-विस्थापित किसान कल्याण समिति ने सभी मजदूरों को काम पर रखने की मांग करते हुए कहा कि यदि समस्या का निदान नहीं होता है तो 11 फरवरी 2022 को आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान प्रकाश कोर्राम दीपका अध्यक्ष, कोरबा अध्यक्ष गजेंद्र सिंह ठाकुर, जिला मीडिया प्रभारी ललित महिलांगे, भागीरथ यादव, रजनीश मरावी, मुकेश यादव, बसंत कुमार कंवर, पवन यादव, अर्जुन सिंह पोर्ते, बसंत कश्यप, राहुल जायसवाल, अनसुइया राठौर, रमेश कश्यप, लक्ष्मी रामेश्वर, विजय श्याम, मनहरण पाटले, बसंत चंद्राकर, रामकुमार केंवट, रेशमी कश्यप, रुकमणी पूनम कश्यप, बुधवारा बाई, रामेश्वरी बाई, धरम कुंवर, रोहित कश्यप, गोविंद राज, रिंकू राज, गणेश उइके, सुकलाल सिंह, करन सिंह पोर्ते समेत काफी संख्या में ठेका मजदूर उपस्थित रहे।

गांव में बने जल स्त्रोत, पानी का एक बूंद भी नहीं बहने दिया जाएगा व्यर्थ

कोरबा। गांव में बने जल स्त्रोत और सार्वजनिक जगहों ने निकलने वाली गंदे पानी की प्रबंधन के लिए 412 ग्राम पंचायतों में 16 हजार 757 सोख्ता बनाया जाएगा। इसकी शुरूवआत कोरबा विकासखंड के सोनगुढा, चुईया और कोरियाघाट आदि गांव से शुरू हो गया है। जल संरक्षण और संवर्धन दिशा में यह कार्य रोजगार गारंटी और स्वच्छ भारत मिशन के संयुक्त तत्वावधान किया जा रहा है। भूमिगत जल स्त्रोत सुरक्षा के लिए किए जा रहे इस कार्य से गांवों में गर्मी के समय पानी की समस्या नहीं होगी।

पानी के प्रत्येक बूंद को संरक्षित करने के लिए बनने वाली सोख्ता को लेकर जिला प्रशासन ने न केवल कार्य योजना तैयार कर ली है बल्कि इसे मूर्त रूप देना भी शुरू कर दिया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एवं स्वच्छ भारत मिशन के जिले के 415 ग्राम पंचायतों में गंदे पानी के प्रबंधन एवं जल संवर्धन के लिए 16 हजार 757 सोख्ता पिट गड्ढे, बनाए जा रहे हैं। ग्रामों में ग्राम पंचायत भवन, सामुदायिक भवन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र, मंदिर, मुक्तिधाम, स्कूल, सार्वजनिक नल, सामुदायिक हैंडपंप, ट्यूबबेल, सार्वजनिक कुंआ आदि स्थानों पर सोख्ता पिट बनाए जा रहे हैं। यहां बताना होगा कि गांवों में लोगों की सुविधा के लिए हैंडपंप लगाए गए हैं, इनका पानी खुले में या फिर नाली के सहारे बर्बाद होता है। नालियों से गंदा पानी सडक़ पर फैलता है, जिससे गंदगी होती है, और गंदगी से कई बीमारियां पनपती है। पानी के महत्व को समझते हुए सभी गांवों में हैडपंप, जल स्त्रोतों के समीप व्यर्थ में बहने वाले जल को संग्रहीत करके भूजल स्तर बढाने के लिए सोख्ता पिट बनाए जा रहे हैं। सोख्ता में जल स्त्रोत संग्रहित रहने से गांव की भूमिगत जल स्त्रोत स्थिर रहेगा। आम तौर पर देखा जाता है कि गर्मी के समय भूमिगत जल स्त्रोत कम होने से हैंडपंप से पानी निकला बंद हो जाता है। इससे गांव भर में पानी की समस्या होगी। सोख्ता का निर्माण होने से न केवल जल संकट की समस्या दूर होगी बल्कि गांवों की स्वच्छता बढ़ेगी।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अत: शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम लिए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

जैविक खेती कर सुगंधित धान से किसानों के जीवन में बिखरी खुशबू

कोरबा। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी चल रही है, पर 14 गांव के 1,500 किसान सरकारी खरीदी के मोहताज नहीं हैं। पांच समूहों में शामिल इन किसानों ने जैविक खेती कर सुगंधित धान की फसल ली है। धान बेचने की जगह किसानों का समूह अपनी ही लगाई मिल से चावल तैयार कर रहा है।

राज्य सरकार परंपरागत धान की जगह अन्य फसलों को बढ़ावा देने हर संभव कोशिश कर रही पर धान के रकबे में कमी नहीं आ रही, इस बीच कोरबा जिले में धान की फसल में ही ऐसी पहल की गई हैए जिससे किसानों के लिए नई राह खुल गई है। कृषि विभाग ने यहां के किसानों का अलग-अलग समूह तैयार कर अधिक दाम में बिकने वाले धान की प्रजाति की जैविक खेती के लिए प्रेरित किया। अमलीभौना, जल्के, भलपहरी, बरपाली, पोड़ी आदि गांव में करीब 3000 एकड़ में किसानों ने सामूहिक खेती की मिशाल कायम कर चीनी,शक्कर, रामजीरा, लोहंदी, विष्णुभोग जैसे महंगे प्रजाति के धान की फसल लिए हैं। अकेले ताानाखार गांव के 150 किसान मानगुरू जैविक खेती समूह तैयार कर 300 एकड़ में सुगंधित धान की फसल लिया है। समूह के सचिव रामलाल कंवर ने बताया कि आसपास के किसान एक साथ मिलकर पहले धान के उत्कृष्ठ किस्मों की खेती की योजना बनाई। खुद से उन्होने जैविक खाद व कीटनाशक दवा तैयार किया। प्रशासन ने सब्सिडी में मिनी राइस मिल भी स्थापित करके दिया है। इससे तैयार चावल की पैकिंग भी समूह खुद कर रही। धान खरीदी केंद्र में उन्हे मोटा धान 19.40 और पतला धान का 19.60 रुपये किलो की मिलता था। जबकि अब सुगंधित चावल का 70 से 80 रूपये प्रति किलो मिलेगा।

कृषि विभाग सहायक उप संचालक एके शुक्ल ने बताया कि जैविक खेती को बढ़ावा देने किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। इसका सुखद परिणाम भी सामने आ रहा। जैविक खेती करने वाले किसानों का पंजीयन पृथक रूप से किया गया है। इसके तहत इन किसानों को शहर में अलग से बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही ट्रेडिंग कंपनियों से संपर्क कर सुगंधित चावल की खपत में प्रशानिक सहयोग दिया जाएगा। इससे अन्य किसान भी जैविक खेती की ओर आकर्षित होंगे।

जिले में किसानों द्वारा उत्पादित जैविक सुगंधित चावल की महक राजधानी रायपुर तक पहुंच रही है। रायपुर में तीन से छह फरवरी तक आयोजित राज्य स्तरीय गोठान मेला में मानगुरू समूह के किसानों ने जैविक चावल के प्रचार-प्रसार एवं बिक्री के लिए स्टाल लगाया।